



// कार्यालय आदेश //

विश्वविद्यालय अधिनियम, २००९ की धारा-२८ एवं विश्वविद्यालय की प्रथम परिनियमावली, २००९ के अध्याय-५ में प्राविधानित/विहित व्यवस्था के क्रम में डॉ० विजय शंकर शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, दृष्टिबाधितार्थ को विश्वविद्यालय के पत्रांक १०३६/फा०सं०-४९९/वि०नामित/स्था०/२०२२-२३, दिनांक १५ जुलाई, २०२२ के माध्यम से विशेष शिक्षा संकाय के अधीन संचालित दृष्टिबाधितार्थ विभाग के कुशल संचालन हेतु अग्रिम आदेशों तक के लिए विभागाध्यक्ष नामित किया गया था, जिसके क्रम में डॉ० शर्मा द्वारा विभागाध्यक्ष के पद पर दिनांक १९ सितम्बर, २०२२ तक कार्य सम्पादित किया गया है।

तत्क्रम में दिनांक २० सितम्बर, २०२२ से १७ मई, २०२३ तक सबैटिकल लीव पर होने के दृष्टिगत मा० कुलपति महोदय द्वारा नियमानुसार अधिकतम तीन वर्ष के अनुसार शेष समय के लिए डॉ० विजय शंकर शर्मा को विभागाध्यक्ष नामित किये जाने हेतु प्रदत्त अनुमोदन के अनुपालन में दृष्टिबाधितार्थ विभाग का विभागाध्यक्ष नामित किया जाता है।

डॉ० विजय शंकर शर्मा द्वारा विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं प्रथम परिनियमावली में दी गयी संगत व्यवस्थाओं के अधीन अपने कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करेंगे। इनका कार्यकाल इस कार्यालय आदेश के निर्गत होने की तिथि से ०३ वर्ष के अनुसार शेष समय अर्थात् दिनांक १४ जुलाई, २०२५ तक प्रभावी होगा। इस दायित्व के लिए आपको किसी प्रकार का अतिरिक्त वेतन, भत्ते अथवा मानदेय आदि देय नहीं होगा।

(रोहित सिंह)  
कुलसचिव

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. वैयक्तिक सहायक कुलपति, मा० कुलपति महोदय के सादर अवलोकनार्थ।
2. कुलसचिव, विश्वविद्यालय।
3. वित्त अधिकारी, विश्वविद्यालय।
4. समस्त अधिष्ठाता/विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय।
5. डॉ० विजय शंकर शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, दृष्टिबाधितार्थ विभाग।
6. सम्बन्धित विभाग शिक्षकवृन्द, विश्वविद्यालय।
7. समस्त अधिकारीगण, विश्वविद्यालय।
8. विश्वविद्यालय की वेबसाइट हेतु।
9. सम्बन्धित की व्यक्तिगत पत्रावली हेतु।
10. गार्ड फाइल।

(रोहित सिंह)  
कुलसचिव